- इसप्रश्न-पत्रमेंचारखण्डहै – क, ख, ग, घ।
- चारोंखण्डोंकेप्रश्नोंकेउत्तरदेनाअनिवार्यहै।
- यथासंभवप्रत्येकखण्डकेक्रमशःउत्तरदीजिए |

खण्ड'क' :अपठितबोध

1. निम्नलिखितगद्यांशकोध्यानपूर्वकपढ़करपूछेगएप्रश्नोंकेउत्तरदीजिए-

पश्चिमीदृष्टिकोणवालेलोगसह-शिक्षाकेप्रबलसमर्थकहैं।पश्चिमीशिक्षाशास्त्रियोंकाकहनाहै, "ठीकहै, हममानतेहैंकिछात्र-छात्राओंमेंयौनआकर्षणहोताहै, किन्तुवहकोईबुरीबातनहीं।वहतोएकमहानशक्तिहै, जिसकासदुपयोगकरछात्र-छात्राओंमेंस्पर्धाउत्पन्नकरकेशिक्षाकेश्रेष्ठतरपरिणामप्राप्तकिएजासकतेहैं।विशेषकरइसलिएकिविद्यार्थीजीवनमेंस्पर्धाभावनाउग्रहोतीहै।इसीकाउपयोगकरकेहमपरीक्षाप्रतियोगिता, भाषा-प्रतियोगिता,
खेलकूद-प्रतियोगिताकाआयोजनकरतेहैं।निस्संदेहप्रतियोगिताकेजोशमेंविद्यार्थीजितनीशानदारसफलताएँप्राप्तकरतेहैं,
साधारणस्थितिमेंउससेबहुतकमहीप्राप्तकरतेहैं।कईबारलड़के-लड़कियोंकेलिएतथालड़कियाँ-लड़कोंकेलिए अधिकसहायकवलाभकारीसिद्धहोतीहैं।इसदृष्टिसेभीसहशिक्षालाभकारीहै।लड़केऔरलड़कियोंकेहृदयमेंकभीकभीनकारात्मकभावनाएँभीहोतीहैं,
जोस्वस्थसमाजकेलिएहानिकारकहोसकतीहैं।सहशिक्षासेइससेबचाजासकताहैं।"

(क) सहशिक्षाकासमर्थनकौनकरतेहैं?
(ख) शिक्षाकेबेहतरपरिणामकैसेप्राप्तकियेजासकतेहैं?
(ग) विद्यार्थीसफलताएँकबप्राप्तकरतेहैं?
(घ) स्वस्थसमाजकेलिएहानिकारककक्याहोसकताहै?
(ड) 'सहशिक्षा' काक्याअर्थहै?

उत्तर-

(क) पशिचमीविचारधाराकेलोगसह-शिक्षाकासमर्थनकरतेहैं।
(ख) छात्र-छात्राओंमेंस्पर्धाउत्पन्नकरकेशिक्षाकेबेहतरपरिणामप्राप्तकिएजासकतेहैं।
(घ) लड़के-लड़कियोंकेहृदयमेंकभी-कभीनकारात्मकभावनाएँभीहोतीहैं,
जोस्वस्थसमाजकेलिएहानिकारकहोसकतीहैं।
(इ) लड़केलड़कियोंकासाथ-साथपढ़ना।

2. निम्नलिखितकाव्यांशकोध्यानपूर्वकपढ़करपूछेगएप्रश्नोंकेउत्तरदीजिए-

एकदिननारद
गएविष्णुलोक,
बोलेभगवानसे,
देखाकिसानको
दिनभरमेंतीनबार
नामउसनेलियाहै।"

बोलेविष्णु-"नारदजी,
आवश्यकदूसरा
एककामआयाहै,
तुम्हेंछोड़करकोई
औरनहींकरसकता।
साधारणविषययह
बादकोविवादहोगा,
तबतकयहआवश्यककार्यपूराकीजिए,
तेलपात्रयह
लेकरप्रदक्षिणाकरआइएभूमंडलकी।
ध्यानरहेसविशेष
एकबूंदभीइससे
तेलनगिरनेपाए।

(क) नारदजीकहाँगएथे?
(ख) विष्णुजीनेनारदकोक्याकामसौंपा?
(ग) विष्णुजीनेनारदजीकोक्याआगाहकिया?

उत्तर-

(क) नारदजीविष्णुलोकगएथे।
(ख) विष्णुजीनेनारदजीकोतेलकापात्रलेकरभूमण्डलकीप्रदक्षिणाकरकेआनेकोकहा।
(ग) विष्णुजीनेनारदजीकोआगाहकियाकितेल-पात्रमेंसेएकबूंदभीनगिरनेपाए।

3. (क) निम्नलिखितशब्दोंकावर्ण-विच्छेदकीजिए-

(i) विज्ञापित
(ii) उज्ज्वल

(ख) निम्नलिखितशब्दोंमेंसेअनुस्वारकेउचितप्रयोगवालेशब्दछाँटकरलिखिए- 1

(i) चंचल
(ii) वीरांगना

(iii) कहा
(iv) पडितं
(ग) निम्नलिखितशब्दोंमेंउचितस्थानपरलगेअनुनासिकचिह्नोंकेप्रयोगवालेशब्दछाँटिए-
(i) वस्तुएँ
(ii) आँख
(iii) गगाँ
(iv) दिनार्को
(घ) निम्नशब्दोंमेंउचितस्थानपरलगेनुक्तोंकेप्रयोगवालेशब्दलिखिए-
(i) शराफ़त
(ii) चीजें
(iii) काफिला
(iv) चीजें
4. (क) निम्नलिखितशब्दोंमेंसेउपसर्गवमूलशब्दकोअलग-अलगकीजिए-
(i) अनाधिकार
(ii) प्रत्यक्ष
(ख) निम्नलिखितशब्दोंमेंप्रयुक्तप्रत्ययवमूलशब्दकोअलग-अलगकीजिए-
(i) खटास
(ii) पंजाबी

5. (क) निम्नलिखितशब्दोंकासंधि-विच्छेदकीजिए-
(i) सचिवालय
(ii) महाशय
(ख) निम्नलिखितशब्दोंमेंसंधिकीजिए
(i) वयः + वृद्ध
(ii) वधू + ऊर्मि।
(ग) निम्नलिखितवाक्योंमेंउचितविरामचिह्नलगाकरलिखिए-
(i) देखामैंनेहाथपाँवमारेतोडूबनेसेबचगया
(i) भईवाहइसबारतोतुमबीएससीमेंप्रथमआगए
(ii) क्यापियोगेचाययाठंडाशरबत

खण्ड'ग' :पाठ्यपुस्तकवपूरकपाठ्यपुस्तक
6. निम्नलिखितप्रश्नोंकेउत्तरदीजिए-
(क) गाँधीजीसे 'यंगइण्डिया' केसम्पादकबननेकीप्रार्थनाक्योंकीगयीथी?
(ख)गीतअगीतकीसुन्दरताकावर्णनकीजिए।
(ग) खुशबूरचतेहैंहाथैकैसीपरीस्तिथिमेतथाकहाँ - कहाँरहतेथे?
उत्तर-
(क) गाँधीजीसे 'यंगइण्डिया' केसम्पादकबननेकीप्रार्थनाइसलिएकीथी,
क्योंकिहानीमैनकोदेश-निकालादेनेकेबादसाप्ताहिककेलिएनिकालनेवालोंकीकमीरहनेलगीथी।गाँधीजीभी अंग्रेजोंकेविरुद्धलिखनाचाहतेथे।इसलिएउन्होंनेइसप्रार्थनाकोस्वीकारकरलिया।
(ख)
नदीकेकिनारेकीचड़सूखकरउसकेटुकड़ेहोजातेहैं।टेढ़ेहोनेपरसुखाएहुएखोपरेजैसीनदीहोतीहै।नदीकिनारेमीलों तकएक-साफैलाहुआचिकनाकीचड़।सूखजानेपरबगुलेवअन्यपक्षियोंकेउसपरचलनेकेकारणउनकेपदचिहनउ सपरअंकितहोजातेहैं।
(ग) गायऔरग्वालोंकेपैरोंसेउड़नेवालीधूलकोगोधूलिकहतेहैं।
7. इसकहानी (दुःखकाअधिकार) मेंलेखकनेहमारीकिनकुरीतियोंऔरकुसंस्कारोंकीओरसंकेतकियाहै?
उत्तर-
लेखकनेइसकहानीमेंसमाजकीकुछकुरीतियोंकीओरसंकेतकियाहै।जैसे-यदिकिसीकेयहाँमृत्युकासूतक (पातक)
होतोउसेकामनहींकरनाचाहिए।उसकेहाथसेचीजभीनहींखरीदनीचाहिएक्योंकिउसकेस्पर्शसेवस्तुदूषितहोजा तीहै,
औरखानेवालेकाईमान-धर्मनष्टहोजाताहै।लेखकनेसमाजकेइसकुसंस्कारकाभीसंकेतकियाहैकिझाड़-फूकक रनेवाले।ओझाकोपूजाकेनामपरबहुतदान-दक्षिणादेदीजातीहै,
भलेहीघरमेंकुछभीशेषनरहे।इसीप्रकारहाथकेगहनेतकबेचकरमुर्दैकेलिएकफनखरीदनापड़ेइसेभीलेखककुरी तिमानताहैवैसेगरीबविवशलोगोंकेप्रतिघृणाकीभावनाऔरउन्हेंनीचयाकमीनाकहनास्वयंमेंएकबहुतबड़ाकुसं स्कारहै।लेखकनेइसकासंकेतभीदिया

अथवा
"देशऔरदुनियाकोमुग्धकरकेशुक्रतारेकीतरहअचानकअस्तहोगए।" काआशयस्पष्टकीजिए।

8. निम्नलिखितप्रश्नोंकेउत्तरदीजिए-
(क) नएबसतेइलाकेमेंकविरास्ताक्योंभूलजाताहै?
(ख) रहीमनेसागरजलकीअपेक्षापंकजलकोधन्यक्योंकहाहै?
(ग) एककोसाधनेकाक्याअर्थहै? रहीमकेदोहेकेअनुसारलिखिये।

9. 'खूशबूरचतेहैंहाथ' कविताकोलिखनेकामुख्यउद्देश्यक्याहै?
उत्तर-
सौंदर्यकीसृष्टिकरनेवालोंकाअभावग्रस्तजीवन, खुशबूरचनेवालेहाथगंदीबस्तियोंमेंरहनेपरमज़बूर, समाजनिर्माणमेंयोगदानदेनेवालेलोगउपेक्षित।–
व्याख्यात्मकहल
:इसकविताकोलिखनेकाकविकामुख्यउद्देश्यहै-निम्नवर्गकीसामाजिकव्यवस्थाकीदयनीयदशाकोउभारना। इसवर्गकीविशेषदेखभालहो, उपेक्षानहींहोनीचाहिए।सबकाध्यानइसओरआकर्षितकियाजाए, ठोससरकारीकदमउठानेचाहिए, ताकियहवर्गभीस्वस्थजीवनव्यतीतकरसके।

10. "मैंचलताहूँअबआपकीबारीहै" सरदारपटेलकेइसकथनकापाठकेसन्दर्भमेंआशयस्पष्टकीजिए।

अथवा

लेखककोदयानंदकेजीवनकीकौन-सीघटनाएँरोमांचकलगतीथीं?

खण्ड'घ' :लेखन
11. दिएगएसंकेतबिन्दुओंकेआधारपरकिसीएकविषयपरलगभग 80 से 100 शब्दोंमेंअनुच्छेदलिखिए-
(क) प्रात:कालीनभ्रमण
(i) सैरकरनाशारीरिकवमानसिकरूपसेस्वास्थ्यवर्धक
(ii) पेड़-पौधोंद्वाराशुद्धवायुप्राप्त (ऑक्सीजन) प्राप्तहोना
(iii) भ्रमणद्वाराकईबीमारियाँदूरहोना
(iv) प्रकृतिकीसुंदरताकोमहसूसकरना
(ख) परीक्षाकेकठिनदिन
(i) परीक्षा-सुन्दरभी, कठिनभी
(ii) परीक्षार्थीकेयोग्यतास्तरकीजाँचकरनेवालाप्रत्यक्षप्रमाण
(iii) समयकासदुपयोगकरना
(iv) लक्ष्यकीप्राप्ति
(ग) मेट्रोरेल-महानगरीयजीवनकासुखदसपना
(i) यातायातव्यवस्थामेंक्रांति
(ii) मेट्रोरेलकाविस्तार
(iii) भारतकाविश्वस्तरीयपब्लिकसिस्टम
उत्तर
(क) प्रात:कालीनभ्रमणा
प्रात:कालकीसैरशरीरमेंनवचेतनावस्फूर्तिकासंचारकरतीहै।शारीरिकवमानसिकदोनोंहीरूपोंमेंयहस्वास्थ्यवर्धकहै।चिकित्साशास्त्रियोंकीरायहैकिबीमार,
वृद्धतथाअन्यलाचारव्यक्तियदिव्यायामकेअन्यरूपोंकोनहींअपनापातेहैंतोवेप्रात:
कालकीसैरकरअपनाकामचलासकतेहैं।इससैरसेशरीरकेबिगड़ेहुएआन्तरिकअवयवोंकोसहीढंगसेकार्यकरनेमेंबहुतमददमिलतीहै।शहरोंएवंमहानगरोंमेंसुबहसवेरेकीसैरकेलिएजगह-जगहपरहरे-भरेपेड़-पौधोंसेयुक्तपार्कबनाएगएहैं।जहाँपरपार्ककीसुविधानहींहोतीहैवहाँलोगसड़कोंकेकिनारेपरलगेवृक्षोंकेसमीपसेहोकरटहलतेहैं।गाँवोंमेंइसप्रकारकीसमस्यानहींहोतीहै।वहाँशहरोंकीभाँतिमोटरगाड़ियाँनहींहोतीं; अत:
जिसओरनिकलजाएँ, उधरहीशुद्धवायुप्राप्तहोतीहै।
सभीजानतेहैंकिहमारेलिएऑक्सीजनबहुतमहत्वपूर्णहै।दिनकेसमयतोमोटरगाड़ियोंआदिकेधुएँसेमिलकरवायुप्रदूषितहोजातीहै।दोपहरवअन्यसमयमेंशुद्धऑक्सीजनकामिलनादुष्करहोताजारहाहै।अत:
प्रात:कालसर्वथाउपयुक्तहोताहै।प्रातःभ्रमणसेमनुष्यअधिकमात्रामेंशुद्धऑक्सीजनग्रहणकरताहै।इससेशरीरमेंउत्पन्नअनेकविकारस्वत:
हीदूरहोजातेहैं।साथ-ही-साथशरीरकीमाँसपोशियाँभीकार्यरतहोजातीहैंतथारक्तकासंचारसामान्यहोजाताहै।इसकेफलस्वरूपमनुष्यआंतरिकरूपसेअच्छेस्वास्थ्यएवंस्फूर्तिकाअनुभवकरताहै।उच्चरक्तचाप,
पेटकीसमस्याएँ,
मधुमेहआदिरोगियोंकोचिकित्सकखूबसैरकरनेयापैदलचलनेकीसलाहदेतेहैं।मधुमेहकोनियंत्रितकरनेकीतोयहरामबाणदवाहै।
सुबहकेसमयप्रकृतिकीसुन्दरतादेखतेहीबनतीहै।उगतेहुएसूरजकीलालिमासमस्तअंधकारकोमिटादेतीहै।पेड़ोंपरबैठीकोयलकामधुरगानसभीकेमनकोमोहलेताहै।आकाशमेंस्वच्छंदगतिसेउड़तेएवंचहचहातेपक्षियोंकासमूहनवीनताकासन्देशदेताहै।सुबहकेसमयहरी-भरीघासपरओसकीबूंदेंऐसी।लगतीहैंजैसेप्रकृतिनेउनबूंदोंकेरूपमेंमोतीबिखेरदिएहों।सुबहकीमंद-मंदबहतीसुगन्धितहवाशरीरकोनईताज़गीदेतीहै।

(ख) परीक्षाकेकठिनदिन

वास्तवमेंपरीक्षाकेदिनकठिनउनविद्यार्थियोंकेलिएहोतेहैं, जोपरीक्षासेजूझनेकेलिए, परीक्षामेंखराउतरनेकेलिए,
पहलेसेहीसमयकेसाथ-साथतैयारीनहींकरते।जोविद्यार्थीप्रतिदिनकीकक्षाओंकेसाथ-साथपरीक्षाकीतैयारीभी करतेजातेहैं,
उन्हेंपरीक्षाकासामनाकरनेसेडरनहींलगता।वेतोपरीक्षाकाइंतजारकरतेहैं।उन्हेंपरीक्षाकेदिनकठिननहीं, सुखदलगतेहैं।वेपरीक्षाकीकसौटीपरखराउतरनाचाहतेहैंऔरखराउतरनाजानतेभीहैं,
क्योंकिजिसप्रकारसोनेकोकसौटीपरपरखाजाताहै,
उसीप्रकारविद्यार्थीकीयोग्यताकीपरखपरीक्षाकी।कसौटीपरहोतीहै।यहीएकप्रत्यक्षप्रमाणयामापदण्डहोताहै, जिससेपरीक्षार्थीकेयोग्यता-स्तरकोजाँचकरउसेअगलीकक्षामेंप्रवेशकेलिएयानौकरीकेयोग्यसमझाजाताहै।परीक्षातोविद्यार्थियोंकोगंभीरतापूर्वकअध्ययनकरनेकेलिएकहतीहै।परीक्षामेंअधिकाधिकअंकप्राप्तकरनेके लिएप्रतिभाशालीविद्यार्थीपरीक्षाकीइटकरतैयारीकरतेहैं,
उन्हेंपरीक्षासेडरनहींलगता।परीक्षाविद्यार्थियोंमेंस्पर्धाकीभावनाभरतीहैतथाउनकीआलसीप्रवृत्तिकोझकझोर करपरिश्रमकरनेमेंसहायकबनतीहै।परीक्षातोपरीक्षाहीहोतीहै।परजोसमयव्यतीतहोगयावहलाखकोशिशकर नेपरभीवापसनहींआता।समयअनमोलहै,
उचितसमयपरउचितकार्यकरलेनाचाहिए।जोआजकाकामकलपरटालतेहैंवहजीवनभरपछतातेहैं।जोसमय कासदुपयोगनहींकरतेसमयउनकोनष्टकरदेताहै।समयकासदुपयोगकियाजाएतोसमयमानवकेलिएवरदान है।वहसनुष्यकेलिएसफलताऔरखुशियोंकेद्वारखोलदेताहै।समयकादुरुपयोगमनुष्यकोअवनतिकेगर्तमेंफें कदेताहै, जहाँसेनिकलनालगभगअसंभवहोताहै।समयवहचक्रहैजोकभीनहींरुकता।जिसेउससेलाभउठानाहै, उसेसमयकीपूर्वमेंहीतैयारीकरलेनीचाहिए।जोसमयकासम्मानकरतेहैंसमयउनकोसम्मानदेताहै।
जोराष्ट्रसमयकासम्मानकरनाजानताहैवहशक्तिशालीबनजाताहै।जोविद्यार्थीसमयसेपढ़ाईपूरीकरलेताहैव हीपरीक्षामेंप्रथमआताहै।जीवनमेंलक्ष्यकीप्राप्तिसमयपरकिएगएकार्यकेद्वाराहीप्राप्तकीजासकतीहै।सृष्टि काचक्रसमयानुसारहीचलताहै।आदिकालमेंमहापुरुषोंनेसमयकीमहत्ताकोसमझकरउसकीउपयोगिताकेउपदे शदिएहैं।

(ग) मेट्रोरेल-महानगरीयजीवनकासुखदसपना

दिल्लीकीयातायातव्यवस्थामेंक्रांतिलानेकाश्रेयमेट्रोरेलसेवाकोहै। 24 दिसम्बर, 2002
कोदिल्लीवासियोंकेसुखदस्वप्नकासाकारहोनाप्रारम्भहुआ।इसीदिनतत्कालीनप्रधानमंत्रीश्रीअटलबिहारीवा जपेयीनेदिल्लीकीपहलीमेट्रोट्रेनकोहरीझंडीदिखाकरइसेबहुप्रतीक्षितपरियोजनाकाशुभारम्भकिया।इसमेट्रोरे लकाविस्तारबरवालातकहोगयाहैअर्थात्शाहदरासेचलकरतीसहजारी, शास्त्रीनगर, इन्द्रलोक, रोहिणी, रिठालाहोतीहुईयहट्रेनबरवालातकसेवाप्रदानकररहीहै। 19 दिसम्बर, 2004
कोदिल्लीमेट्रौनेएकनयाइतिहासरचा।इसदिनकश्मीरीगेटसेदिल्लीविश्वविद्यालयतकविश्वकीसबसेसुरक्षि तऔरप्रौद्योगिकरूपसेउन्नतभूमिगतमेट्रोट्रेनोंकाशुभारम्भहुआ। 4 किमी. कीयहदूरी 6 मिनटमेंतयहोजातीहै।
मेट्रोट्रेनकातीसराखंडकस्तूरबागाँधीमार्ग (कनॉटप्लेस) सेद्वारकातकहै।इसकेद्वारा, उत्तमनगर, जनकपुरी, तिलकनगर, राजौरीगार्डन, कीर्तिनगर, पटेलनगर,
करोलबागआदिक्षेत्रकनॉटप्लेससेजुड़ेहैं।कश्मीरीगेटसेचावड़ीबाजारहोतेहुएनईदिल्लीकोभूमिगतट्रेनकेद्वारा जोड़ागयाहै।दिल्लीकेउपराज्यपालकेअनुसारदिल्लीमेट्रोने 2021 तक 245 किमी.
लम्बेमेट्रोरेललाइनेंबिछानेका।मास्टरप्लानतैयारकियाहै।इसयोजनाकेपूराहोनेकेबाददिल्लीऐसाशहरहोगया हैजहाँनसिर्फखंभोंपरबल्किजमीनकेनीचेसुरंगोंमेंमेट्रोरेलचलतीहै। 21
वींसदीमेंभारतकोविश्वस्तरकापब्लिकसिस्टमउपलब्धहोरहाहै।इससेपर्यावरणऔरलोगोंकीजरूरतेंपूरीहोने केसाथ-साथदूसरेदेशोंसेआयातहोनेवालेईंधनपरभीदेशकीनिर्भरताकमहोतीचलीजाएगी।

12.
नवींकक्षामेंहिन्दीविषयकेचयनकेकारणोंतथाआजकेयुगमेंहिन्दीकीउपयोगिताबतातेहुएविदेशमेंरहनेवालेमि त्रकोपत्रलिखिए।

उत्तर-

मित्रकोपत्र
6/82, पनकी
कानपुर (उ.प्र.)
दिनांक : 16 मार्च, 20…….

प्रियमित्रसचिन,
तुम्हेंयहजानकरप्रसन्नताहोगीकिमैंनेनवींकक्षामेंहिन्दीविषयकाचयनकरलियाहै।आजकेयुगमेंहिन्दीकीवि शेषउपयोगिताहै।हिन्दीहमारीराजभाषाहै,
सभीकार्यालयोंतथासंस्थाओंमेंभीहिन्दीभाषामेंकार्यहोताहै।हमारीराष्ट्रभाषाभीहिन्दीहैऔरउसेहीलोगोंनेविदे शीबनादियाथा।हमेंअपनीहिन्दीभाषाकासम्मानकरनाचाहिए,
तुमविदेशमेंरहकरअपनीमातृभाषाहिन्दीमतभुलादेना।मुझेतोअपनीहिन्दीभाषावभारतीयसंस्कृतिपरगर्वहै। अपनेमम्मीवपापाकोमेराचरणस्पर्शकहना।
तुम्हारामित्र
राजीव

अथवा

अपनीबुआजीकोपत्रलिखकरपिताजीकेस्वास्थ्यसुधारकीसूचनादीजिए।

उत्तर-

बुआजीकोपत्र

• विषय-वस्तु
• भाषा
• प्रस्तुति
व्याख्यात्मकहल:
मकाननं. 756, स्वरूपनगर
कानपुर।
दिनांक : 10.09.20xx
पूजनीयबुआजी,
सादरचरणवंदना।
हमयहाँसकुशलहैं।आशाहैआपकास्वास्थ्यभीठीकहोगा।आपकाभेजाहुआपत्रप्राप्तहुआजिसमेंआपनेपिताजी केस्वास्थ्यकेविषयमेंपूछाथा।आपकोयहजानकरअतिप्रसन्नताहोगीकिपिताजीकेस्वास्थ्यमेंअबपहलेसेबहु तसुधारहै।अबवहठीकप्रकारउठ-बैठऔरचलरहेहैं।आपचिन्तानकरेंऔरअपनेभीस्वास्थ्यकाध्यानरखें। आदरणीयफ्फाजीकेचरणोंमेंमेराप्रणामऔरभाईसाहबकोनमस्कारआपकाआज्ञाकारीभतीजाअश्विन
13. दिएगएचित्रकोदेखिएऔरउसकावर्णन 20-30 शब्दोंमेंकीजिए।

उत्तर-
(i) यहचित्रकलाकीप्रतियोगिताकोदर्शानेवालाचित्रहै।
(ii) चित्रमेंअनेकविद्यार्थीध्यानमग्नहोकरचित्रबनारहेहैं।
(i) कुछविद्यार्थीचित्रबनानेमेंसंलग्नहै।
(iv) कुछविद्यार्थीचित्रकेसंबंधमेंचिंतनकररहेहैं।
(v) एकशिक्षकउनकेकार्योंकानिरीक्षणकररहेहैं।
14. भारतमेंबढ़तेभ्रष्टाचारपरदोमित्रोंमेंसंवादको 50 शब्दोंमेंलिखिए।
उत्तर-

दोमित्रोंमेंसंवाद

कार्तिक – इतनीसुबह-सुबहकहाँजानेकीतैयारीहै, मित्र?
मयंक – अरेभई! अपनेक्षेत्रकेविधायककेयहाँजारहाहूँ।
कार्तिक – क्योंक्याहुआ, खैरियततोहै?
मयंक – क्याबताऊँमित्र, पिछलेएकहफ्तेसेबिजलीनहींआरहीहै, इसलिएउनकेयहाँजारहाहूँ।
कार्तिक – तोइसमेंविधायकजीक्याकरेंगे?
मयंक – मैंतोबिजलीविभागकेचक्करलगालगाकरहारगया, अबविधायकजीसेहीसिफारिशकरवाऊँगा, तभीकामबनेगा।
कार्तिक –
क्यासमयआगयाहैबात-बातमेंसिफारिशेऔररिश्वतकेबिनाकामहीनहींचलता।मैंनेभीअपनाटेलीफोनइसीतर हठीककरवायाहै।
मयंक – ऊपरसेनीचेतकसभीभ्रष्टाचारमेंलिप्तहोंगे, तोआमगरीबजनताकीकौनसुनेगा?
जबकिप्रभावशालीलोगोंकेकामचुटकीबजातेहीहोजातेहैं।
कार्तिक – सरकारभीतोकुछसख्तीनहींकरती।
मयंक – सरकारभीकिस-किसकोपकड़ेगी,बड़े-बड़ेअधिकारीभीतोभ्रष्टहैं।
15. आधुनिकसुविधाओंसेसुसज्जितघरकिराएपरदेनेकेलिएविज्ञापनतैयारकीजिए।5
उत्तर
• विषय-वस्तु
• प्रस्तुति
• भाषा

व्याख्यात्मकहल:

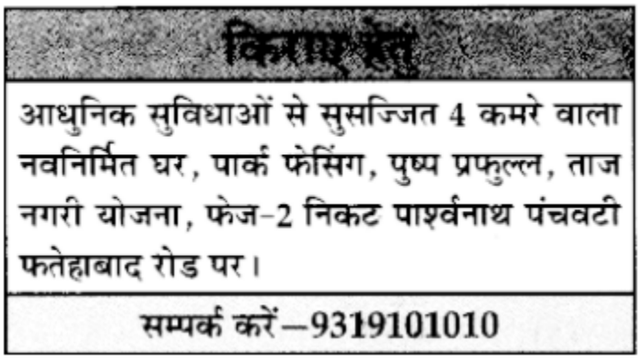
किराए हेतु
आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित 4 कमरे वाला नवनिर्मित घर, पार्क फेसिंग, पुष्प प्रफुल्ल, ताज नगरी योजना, फेज-2 निकट पार्श्वनाथ पंचवटी फतेहाबाद रोड पर।
सम्पर्क करें—9319101010